Self Respect

12-06-2014

✓बाप बच्चों को समझाते हैं – मीठे बच्चे, अन्तर्मुखी बनो | अन्तर्मुखता अर्थात् कुछ भी बोलो नहीं | अपने को आत्मा समझ बाप को याद करो | यह बाप बैठ शिक्षा देते हैं बच्चों को |

✓भारत कंगाल बना है, जो बाहर से कर्ज़ा लेते रहते हैं | भारत के लिए ही बाप समझाते हैं, अभी तुम बच्चों को इस पढ़ाई से कितना धन मिलता है | यह अविनाशी पढ़ाई है जो अविनाशी बाप पढ़ाते हैं |

✓जो अपने बाप रचयिता और रचना को नहीं जानते हैं वह हैं नास्तिक, जो जानते हैं वह हुए आस्तिक | बाप कितना अच्छी रीति बैठ तुम बच्चों को समझाते हैं |

✓तुम्हारा तो है रूहानी बल, तुम विजय पाते हो रावण पर | जिससे तुम विश्व के मालिक बन जाते हो | तुम्हारे ऊपर कोई जीत पा नहीं सकता | आधाकल्प के लिए कोई छीन नहीं सकता और कोई को बाप से वर्सा मिलता नहीं | तुम क्या बनते हो, थोड़ा विचार करो |

✓तुमको ज्ञान रत्न मिलते हैं रत्न बनने के लिए | कहते हैं भारत में 33 करोड़ देवतायें थे, परन्तु उनमे भी 8 रत्न पास विद् आनर होंगे |

✓तुम रावण पर जीत पाते हो फिर रावण होगा ही नहीं | अभी पुरुषार्थ करो | बाप आये हैं तो बाप का वर्सा ज़रूर मिलना चाहिए | तुम कितना बारी देवता बनते हो |

✓निर्बल से बलवान बन असम्भव को सम्भव करने वाली हिम्मतवान आत्मा भव

✓"हिम्मते बच्चे मददे बाप" इस वरदान के आधार पर हिम्मत का पहला दृढ़ संकल्प किया कि हमें पवित्र बनना ही है और बाप ने पदमगुणा मदद दी कि आप आत्मायें अनादि-आदि पवित्र हो, अनेक बार पवित्र बनी हो और बनती रहेंगी | अनेक बार की स्मृति से समर्थ बन गये |निर्बल से इतने बलवान बन गये जो चैलेन्ज करते हो कि विश्व को भी पावन बनाकर ही दिखायेंगे | लोग जिस बात को मुश्किल समझते उसको आप अति सहज कहते हो |

- अच्छा! मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का यादप्यार और गुडमॉर्निंग | रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते |